राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3649

24 जुलाई, 2019 को उत्तर के लिए

इस्पात के उच्च मूल्य का कारण

3649. श्री संभाजी छत्रपतीः

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या भारत में उच्च गुणवत्ता वाले स्वदेशी लौह अयस्क की भारी मात्रा होने के बावजूद इस्पात के उच्च मूल्य का मुख्य कारण असामान्य उच्च खनन कर, मंहगे लौह अयस्क का आयात और कोकन कोयले के अधिक मूल्य का होना है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और ऐसी स्थिति के क्या कारण हैं;

(ग) क्या लौह अयस्क के आयात को रोकने और बहुमूल्य विदेशी मुद्रा को खर्च करने से बचने के लिये लौह अयस्क खनन को बढ़ाने के लिए कोई प्रयास किये गये हैं; और

(घ) देश में इस्पात की कीमतों को कम करने के लिए सरकार आगे कौन से कदम उठाने का प्रस्ताव कर रही है?

उत्तर

इस्पात मंत्री **(श्री धर्मेंद्र प्रधान)**

(क) से (घ): भारत में इस्पात की कीमतें पूर्णतः बाजार संचालित हैं और सामान्यतया यूएसए, जापान जैसे देशों की मौजूदा घरेलू कीमतों की तुलना में कम है तथा चीनी घरेलू बाजार की कीमतों की तुलना में अधिक है। तथापि, यह एक तथ्य है कि देश में खनन किए गए लौह अयस्क के लिए प्रभावी कर दर (ईटीआर) विश्व में सबसे अधिक है। भारत और अन्य देशों में प्रभावी कर दर संबंधी जानकारी **संलग्न** है।

देश में राख की कम मात्रा वाले कोकिंग कोल की अनुपलब्धता के कारण, 92% से अधिक कोकिंग कोल की आवश्यकता आयात द्वारा पूरी की जाती है और उसकी कीमतें अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित होती हैं। लौह अयस्क के संबंध में, आयात से देश की कुल खपत के केवल 7-8% की ही पूर्ति हो पाती है और शेष घरेलू रूप से पूरा किया जा रहा है।

देश में खनन पट्टे के आवंटन को सुव्यवस्थित करने के लिए वर्ष 2015 में एमएमडीआर अधिनियम 1957 में संशोधन किया गया था। वर्तमान में सभी खनन पट्टे नीलामी के जरिए प्रदान किए जाते हैं।

****

अनुलग्नक

(राज्य सभा अतारांकित प्रश्न सं. 3649 दिनांक 24.07.2019)

खनिज संपन्न देशों में तुलनात्मक प्रभावी कर दर (ईटीआर) का आकलन

	यूओएम	भारत (नई खानें)	भारत (मौजूदा खानें)	मंगोलिया	कनाडा (एनडब्ल्यूटी)	चिली	इंडोनेशिया (सुलावेसी)	ऑस्ट्रेलिया	दक्षिण अफ्रीका	नामिबिया
प्रभावी कर दर (ईटीआर)	$	59.84%	63.97%	31.30%	39.50%	37.60%	38.10%	39.70%	39.70%	44.20%